Sociology

Class - SEM-VI
MJC-8

Topic - भारत में निर्धनता दूर करने के उपाय
(Remedial Measures of Poverty)

भारत में निर्धनता विकराल रूप में प्रकट हुई है तथा एक जटिल समस्या बनी हुई है। यह व्यक्ति के आय तक ही सीमित नहीं रहती बल्कि उसके सामाजिक, स्वास्थ्य, शिक्षा तथा आर्थिक विकास को भी प्रभावित करती है। जब समाज में निर्धनता अधिक होती है तो उसका प्रभाव पुरे समाज और राष्ट्र के विकास पर पड़ता है इसलिए निर्धनता के दुष्परिणामों को समझना समाजशास्त्रीय दृष्टिकोण से भी महत्वपूर्ण है।

Major Consequences of Poverty -

1. कुपोषण और स्वास्थ्य समस्याएँ - निर्धन लोग पर्याप्त और पौष्टिक भोजन प्राप्त नहीं कर पाते, जिससे कुपोषण, कमजोरी, बीमारियाँ और मृत्युदर में वृद्धि होती है। स्वास्थ्य सेवाओं की कमी के कारण छोटी बीमारियाँ भी गंभीर रूप ले लेती है।

2. अशिक्षा तथा शिक्षा में बाधा - गरीब परिवारों के बच्चे आर्थिक कठिनाइयों के कारण विद्यालय नहीं जा पाते या बीच में ही पढ़ाई छोड़ देते हैं। इससे समाज में अशिक्षा बढ़ती है तथा राष्ट्र के विकास की गति धीमी पड़ जाती है।

3. बेरोजगारी और कम उत्पादकता - निर्धनता के कारण लोगों को अच्छे रोजगार और कौशल के अवसर नहीं मिलते। इससे उनकी उत्पादकता कम रहती है और वे आर्थिक रूप से कमजोर बने रहते हैं।

4. निम्न जीवन स्तर - गरीब लोग अक्सर झुग्गी-झोपड़ियों में रहते हैं जहाँ उन्हें स्वच्छ जल, बिजली, स्वास्थ्य सेवाएँ तथा अन्य बुनियादी सुविधाएँ पर्याप्त रूप से नहीं मिल पाती हैं।

5. सामाजिक असमानता में वृद्धि - निर्धनता अमीर और गरीब के बीच की दूरी को बढ़ा देती है। इससे समाज में असंतोष, असंतुलन तथा वर्ग-संघर्ष की स्थिति उत्पन्न होती है।

6. अपराध और सामाजिक समस्याएँ - जब लोगों की मूलभूत आवश्यकताएं पुरी नहीं होतीं, तो कुछ लोग जीविका के लिए अनैतिक और समाज-विरोधी कार्यों में संलग्न हो जाते हैं, चोरी, तस्करी, लूट, बाल अपराध, वेश्यावृत्ति इत्यादि अपराधों में वृद्धि होती है।

7. मानसिक तनाव और असुरक्षा - लागातार आर्थिक कठिनाइयों के कारण गरीब लोगों में चिंता, तनाव और असुरक्षा की भावना बढ़ जाती है, जिससे उनका सामाजिक जीवन प्रभावित होता है।

Ajanta Officer

Scanned with CamScanner